अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

1. भारत–ऑस्ट्रेलिया सहयोग:

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) ने वैज्ञानिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए पांच वर्षों की अवधि के लिए राष्ट्रमंडल वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (सीएसआईआरओ), आस्ट्रेलिया के साथ 12 जून, 2013 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन को अगले दस वर्षों के लिए नवीनीकृत किया गया है, जिस पर ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया) में 16 नवंबर, 2018 को हस्ताक्षर किए गए और 22 नवंबर, 2018 को सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में भारत के माननीय राष्ट्रपति की उपस्थिति में आदान–प्रदान किया गया, ताकि दोनों संगठनों के पारस्परिक हित और लाभ के क्षेत्रों में आदान–प्रदान और सहयोग के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा सके।

- **कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा वित्त पोषित आर एंड डी परियोजना संयुक्त रूप से सीएमपीडीआई, सीआईएल और सीएसआईआरओ, ऑस्ट्रेलिया द्वारा कार्यान्वित की जाती है**

"हाईवॉल माइनिंग फिजिबिलिटी असेसमेंट एंड लेआउट डिज़ाइन" शीर्षक वाली आरएंडडी परियोजना को सीआईएल द्वारा जून 2022 में अनुमोदित किया गया था तथा परियोजना की लागत रु. 4.93 करोड़ है। सीएसआईआरओ, ऑस्ट्रेलिया टीम ने 24 अक्टूबर 2022 से 9 नवंबर 2022 तक हाईवॉल खनन के लिए उपयुक्त संभावित स्थलों की पहचान हेतु प्रारंभिक मूल्यांकन के लिए सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों की 20 खानों का दौरा किया। सीएसआईआरओ ने 06.12.2022 को "हाईवाल खनन व्यवहार्यता का प्रारंभिक आकलन" रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीएसआईआरओ टीम ने 21 अगस्त, 23 से 31 अगस्त, 2023 तक हाईवॉल खनन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सीआईएल और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की विभिन्न खानों का पुनः दौरा किया और सीसीसएल की दो खानों, अर्थात् बालकुड्रा ओसीपी और करगली ओसीपी को विस्तृत हाईवॉल लेआउट डिज़ाइन के लिए चुना गया। बलकुद्रा ओसीपी में तीन बोरहोल की ड्रिलिंग दिसंबर 2023 में पूरी हुई और मई 2024 में सीएसआईआरओ को स्ट्रैटा के भौतिक–यांत्रिक विशेषताएं प्रदान की गई। करगली ओसीपी में चार बोरहोल की ड्रिलिंग जनवरी 2024 में पूरी हुई और जून 2024 में सीएसआईआरओ को स्ट्रैटा के भौतिक–यांत्रिक विशेषताएं प्रदान की गई। बालकुद्रा ओसीपी के लिए हाईवॉल माइनिंग लेआउट डिजाइन सीएसआईआरओ द्वारा अगस्त 2024 में प्रस्तुत किया गया है।

2. भारत–कनाडा सहयोग:

- **सीआईएल द्वारा वित्त पोषित आरएंडडी परियोजना संयुक्त रूप से सीएमपीडीआई, ईसीएल और एर्गो एक्सर्जी टेक्नोलॉजी इंक. (ईईटीआई), कनाडा द्वारा कार्यान्वित की गई**

मार्च 2024 में सीआईएल द्वारा "भारतीय भू–खनन स्थिति में प्रौद्योगिकी स्थापित करने के लिए भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) पर एक पायलट परियोजना" नामक आरएंडडी परियोजना को मंजूरी दी गई थी। परियोजना 29.03.2024 को शुरू हुई और परियोजना लागत 23.09 करोड़ रु. है। तीन जलभूवैज्ञानिक कुओं और दो गहरे पानी के नमूने कुओं को ड्रिल किया गया है और तीन उथले–पानी की निगरानी कुओं का निर्माण किया गया है। भू–वैज्ञानिक मॉडलिंग, जल भूवैज्ञानिक परीक्षण, भूजल परीक्षण, जल भूवैज्ञानिक मॉडलिंग, शैल यांत्रिकी परीक्षण और कोयला विश्लेषण पूरा कर लिया गया है। तीन प्रक्रिया कुओं का ड्रिलिंग की जा रही है।

3. कोयला मंत्रालय और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के बीच आयोजित बैठकें–

- कोयला क्षेत्र में आपसी सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने

के लिए कोयला मंत्रालय में 11.07.2024 को सचिव, कोयला मंत्रालय और माननीय ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्री, भूटान की शाही सरकार के बीच बैठक आयोजित की गई।

सचिव, कोयला मंत्रालय और माननीय ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्री, भूटान की शाही सरकार के बीच 11.07.2024 को बैठक आयोजित की गई।

- नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद कोयला मंत्रालय में 01.08.2024 को माननीय कोयला और खान मंत्री, श्री जी. किशन रेड्डी और भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त, महामहिम फिलिप ग्रीन ओएएम के बीच शिष्टाचार बैठक।
- इटली और भारत में महत्वपूर्ण कच्चे माल की नीतियों और तंत्रों पर चर्चा करने के लिए कोयला मंत्रालय में 02.12.2024 को माननीय कोयला और खान मंत्री, श्री जी. किशन रेड्डी और माननीय उद्यम और मेड इन इटली मंत्री, महामहिम एडोल्फो उर्सो के बीच बैठक आयोजित की गई।

माननीय कोयला और खान मंत्री, श्री जी. किशन रेड्डी और माननीय उद्यम और मेड इन इटली मंत्री, महामहिम एडोल्फो उर्सो के बीच 02.12.2024 को बैठक आयोजित की गई।

4. कोयला मंत्रालय का समझौता ज्ञापन (एमओयू)/ संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी)–

इस मंत्रालय ने अन्य देशों के साथ निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों/संयुक्त कार्य समूहों पर हस्ताक्षर किए हैं –

- कोयला खनन के क्षेत्र में सहयोग पर भारत और पोलैंड के बीच समझौता ज्ञापन 04.02.2019 को निष्पादित किया गया था।
- भारत और इंडोनेशिया के बीच कोयला पर 5 वां संयुक्त कार्य समूह 5 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच "कोयला और खान" पर संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक वस्तुतः 23 सितंबर, 2021 को आयोजित की गई थी।

5. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यक्रमों में कोयला मंत्रालय की भागीदारी–

यह मंत्रालय निम्नलिखित सम्मेलनों और कार्यक्रमों में भाग लेता है–

- अंतर्राष्ट्रीय खनन और संसाधन सम्मेलन (आईएमएआरसी), ऑस्ट्रेलिया।
- खनन इंदाबा, दक्षिण अफ्रीका।
- प्रॉस्पेक्टर डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ कनाडा (पीडीएसी), कनाडा।
- अन्य अध्ययन से संबंधित और निमंत्रण आधारित कार्यक्रम।

6. वित्त वर्ष 2024–25 के लिए लक्ष्य–

- विश्व खनन कांग्रेस, वैश्विक मीथेन पहल आदि जैसे वैश्विक निकायों और संस्थानों में देश की भागीदारी बढ़ाना।